प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012

विषय – हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए $1 \times 5 \times 5 = 25$ अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 10 तक में प्रत्येक के उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 11 से 19 तक में प्रत्येक के उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 20 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. रंगों के आधार पर ऋतुओं का रूप.....हो जाता है।

(साकार/निराकार)

2. नर जितना नीचे होकर चलेगा, उतना ही.....उठेगा।

(ऊंचा/जल्दी)

3. नैनो एक यूनिट है, जो एक मीटर के.....हिस्से के बराबर होता है।

(अरबवें/हजारवें)

4. कारण के उपस्थित होने पर भी कार्य न हो वहां.....अलंकार होता है।

(विभावना / विशेषोक्ति)

5. मालवी बोली.....जिलें में बोली जाती है।

(निर्वेद / उत्साह)

प्रश्न 2. सही विकल्प चुनिए –

(1) 'तात्या टोपे' एकांकी का मुख्य पात्र है –

(अ) मानसिंह (ब) मेजर मीड

(स) तात्या टोपे (द) विक्रम सिंह

(2) सूरज और चन्द्रमा सांझ–सकारे किसकी आरती करते है –

(अ) नदी की (ब) द्वीप की

(स) भारता माता की (द) धरती की

(3) पवित्र चार धाम इस राज्य में है –

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) मध्यप्रदेश

(स) उत्तराखण्ड (द) हिमाचल प्रदेश

(4) वाक्य रसात्मकं काव्यम् परिभाषा किसने दी है –

(अ) आचार्य विश्वनार्थ (ब) पण्डित जगन्नाथ

(स) आचार्य रामचन्द्र (द) पण्डित रमानाथ

(5) भाषा शब्द की मूल क्रिया है –

(अ) भाषा (ब) भष

(स) भष् (द) भाष

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य / असत्य छांटिए –

1. गौतम ने यशोधरा से भिक्षा में चिर वियोग मांगा।
2. लेखक राम दरश मिश्र सदैव बड़ा व्यक्ति बनना चाहते थे।
3. रोला और उल्लाला छंदों के मिलने से कवित्र छन्द बनता है।

4. अंगूठा दिखाना मुहावरे का अर्थ है – मना कर देना।

5. बानी जगरानी की उदारता का वर्णन कोई भी कर सकता है।

प्रश्न 4. सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	मंगल वर्षा	–	उषा प्रियंवदा
(2)	वापसी	–	बोली
(3)	मेरे जीवन के कुछ चित्र	–	भवानी प्रसाद मिश्र
(4)	आवेग	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
(5)	बघेली	–	संचारी भाव

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :–

1. किस भय के कारण व्यापारी व्यवसाय में हाथ नहीं डालते?
2. नंद के आंगन में गोपियां क्यों एकत्र हुई?
3. देवकी कहां बंदी थी?
4. करूण रस का स्थायी भाव क्या है?
5. हिन्दी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?

प्रश्न 6. गीता के गगन में लेखक किन उपकरणों से उड़ान भरता है?

अथवा

'खेल' कहानी का उद्‌देश्य लिखिये।

प्रश्न 7. 'भाई बहन कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

अथवा

आसमान में बादलों के आते ही धरती पर क्या प्रतिक्रिया होती है?

प्रश्न 8. मीरा कोहरि से मिलने में क्या–क्या कठिनाईयां है?

अथवा

विश्व कब झुकता है? उसे झुकाने की सामर्थ्य किसमें है?

प्रश्न 9. छायावादी काव्य की चार विशेषताएं लिखिए।

अथवा

रहस्यवाद एवं छायावाद में अंतर बताइये।

प्रश्न 10. शुक्ल युग के निबंधों की कोई दो विशेषताएं लिखिए तथा इस युग के दो निबंध एवं उनके लेखकों के नाम लिखिए।

अथवा

कहानी और उपन्यास में अंतर लिखिए। कोई चार

प्रश्न 11. आह! मेरे गोपालक देश महादेवी जी ने निःश्वास छोड़ते हुए ऐसा क्यों कहा?

अथवा

उनको पुकारता हूँ कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

प्रश्न 12. (अ) व्यतिरेक अलंकार की परिभाषा लिखिए।

(ब) महाकाव्य एवं खण्डकाव्य में कोई तीन अंतर बताइये।

अथवा

(अ) कवित्र छंद के लक्षण लिखिए।

(ब) शांत रस का उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 13. (अ) राष्ट्रभाषा की दो प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

(ब) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. पेट में चूहे कूदना।

2. चिकनी चुपड़ी बातें करना।

अथवा

(अ) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

1. सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता। (मिश्र वाक्य)

2. मैंने एक आदमी देखा जो बहुत बीमार था। (सरल वाक्य)

(ब) भाव विस्तार कीजिए –

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

प्रश्न 14. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा डॉ. रघुवीर सिंह का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाषा शैली (3) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 15. तुलसीदास अथवा गजानन माधव मुक्ति बोध का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाव पक्ष (3) कलापक्ष (4) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 16. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

पिता जी ने घर के इसी कोने में एक बार कहा था– जीवन बहुत सरल नहीं है मेहनत और ईमानदारी ही ऊर्जा बढ़ाते है। लाख अंधेरे आएं, लाख आपत्तियां आयें, तुम यदि अपने प्रति आस्थावान, निष्ठावान रहोगे, तो स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों को भी प्रकाशित कर सकोगे।

अथवा

इन पुस्तकों ने एक दोस्त की तरह मेरा संग साथ निभाया है। जब कभी मेरा मन उदास हो जाता है, कोई छोटी से बात मेरे मन को बेचैन कर जाती है। किसी घटना विशेष को लेकर मैं तिलमिला उठता हूँ, कोई समस्या मुझे सोने

नहीं देती या किन्हीं चिंताओं से मैं घिर जाता हूँ तब ये पुस्तके किसी बुजुर्ग की तरह मेरी पीठ को सहलाते हुए मुझे ढांढस बंधाती आई है।

प्रश्न 17. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''शब्द सम्हारे बोलिए, शब्द के हाथ न पांव।
एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे घाव।।
जिभ्या जिन बस में करी, तिन बस कियो जहान।
नहि तो औगुन उपजै, कहि सब सन्त सुजान।।

अथवा

तुम न समझो, देश की स्वाधीनता यों ही मिली है,
हर कली इस बाग की, कुछ खून पीकर ही खिली है।
मस्त सौरभ, रूप या जो रंग फूलों को मिला है,
यह शहीदों के उबलते खून का सिलसिला है।।

प्रश्न 18. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

मानव ने अपने व्यक्तिगत क्षणिक लाभ के कारण पेड़ों पर जो अंधाधुंध कुल्हाड़ी चलाई है, उसके भयंकर परिणाम सामने आ रहे है। जहां–जहां जंगल कटे है, वहां–वहां भूमि क्षरण के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो गई है। वन क्षेत्र के कम होने से वर्षा पर भी प्रभाव पड़ा है, उपजाऊ इलाके रेगिस्तानी भूमि में बदल रहे है। जैसे–जैसे वन क्षेत्र कम हो रहे है, वैसे–वैसे प्रदूषण, भूमिक्षरण अवर्षा या बाढ़ की समस्याएं बढ़ती जा रही है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 19. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल को कक्षा 10वीं की अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

हाई स्कूल परीक्षा में जिले की प्रावीण्यता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपनी सहेली को बधाई पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. पर्यावरण प्रदूषण– समस्या और समाधान।
2. भारतीय समाज में नारी का स्थान।
3. परहित सरिस धर्म नहीं भाई।
4. भ्रष्टाचार– एक ज्वलंत समस्या।
5. राष्ट्रीय एकता और अखण्डता।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. साकार
2. ऊंचा
3. अरबवें
4. विशेषोक्ति
5. मन्दसौर

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. तात्या टोपे
2. भारत माता की
3. उत्तराखण्ड
4. आचार्य विश्वनाथ
5. भाष

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सत्य/असत्य छांटिये –

1. सत्य
2. असत्य
3. असत्य
4. सत्य

5. असत्य

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सही जोडियां बनाइये–

	क	–	**ख**
(1)	मंगल वर्षा	–	भवानी प्रसाद मिश्र
(2)	वापसी	–	उषा प्रियंवदा
(3)	मेरे जीवन के कुछ चित्र	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
(4)	आवेग	–	संचारी भाव
(5)	बघेली	–	बोली

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. अर्थहानि के भय से व्यापारी नये व्यवसाय में हाथ नहीं डालते।
2. श्रीकृष्ण का संदेश सुनने गोपियां एकत्रित हुई।
3. देवकी कंस के कारागार में बंद थी।
4. करूण रस का स्थाई भाव शोक है।
5. हिन्दी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. विनोबाजी द्वारा लिखित 'गीता और स्वधर्म' अंश में लेखक कहते है कि जहां हार्दिक संबंध होता है, वहां तर्क की गुंजाइश नहीं रहती। तर्क को काटकर श्रद्धा और प्रयोग, इन दोनों पंखों से ही मैं गीता गगन में यथाशक्ति उड़ान भरता रहता हूँ। मैं प्रायः गीता के ही वातावरण में रहता हूँ। गीता को लेखक ने अपना प्राणतत्व कहा है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'खेल' कहानी जैनेन्द्र जी की बाल मनोविज्ञान पर आधारित है। बच्चों की कल्पना और यथार्थ कल्पना ही उनका यथार्थ है। संसार की क्षणभंगुरता एवं नश्वरता से परिचित नहीं होते। नारी रचना और क्षमा का प्रतीक है। पुरूष अहंकारी पर नारी के अनुशासन का अभिलाषी है। नारी पुरूष को अपने वश में कर लेती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. गोपाल सिंह नेपाली जी ने 'भाई–बहन' के स्नेह को देश प्रेम में परिवर्तित कर नये–नये प्रतीकों का सहारा लिया है।

बहन के प्रतीक – चिनगारी, हहराती गंगा, बसंती चोला, कराल क्रांति, राधा–रानी, आंगन की ज्योति, ममता की गोद, बहन की बुद्धि, नदी की धारा, ध्रुवतारा के रूप में बताया है।

भाई के प्रतीक – प्रेम की ज्वाला, बेहाल झेलम, राजा हुआ लाल, विकराल, बंशीवाला, घर का पहरेदार, प्रेम का पुतला, जीवन का क्रीड़ा कौतुक, क्रियाशीलता, एक लहर बताया है।

– मानवीय जीवन की ओज पूर्ण अनुभूतियों का वर्णन है।

– देश–प्रेम का आदर्श उद्घाटित किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'मंगल वर्षा' कविता में कवि श्री भवानी प्रसाद मिश्र वर्षा के आगमन पर धरती की प्रसन्नता का वर्णन करते हुए कहते है कि आसमान में बादलों के आते ही धतरी पर प्यार के अंकुर फूटने लगते हैं। धरती प्रसन्न हो जाती है। बिजली आकाश में चमकती है और दादुर अपनी बोली से वर्षा का स्वागत करते है। वन

में मोर नाचने लगते है, खेतों में किसानों की पत्नियां कजरी गीत गाने लगती है। इस प्रकार सभी वर्षा का स्वागत करने को तत्पर है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. 'मीरा पदावली' में मीराबाई ने हरि से मिलने में निम्नलिखित कठिनाठयां बताई है:–

1. चारों मार्ग (कर्म, शक्ति, ज्ञान और वैराग्य) मीरा के लिए बंद है।
2. राह रपटीली है, पांव अस्थिर हो उठते है।
3. हरि का महल बहुत ऊंचा है, मीरा वहां तक चढ़ने में असमर्थ है।
4. रास्ते में जगह–जगह पहरेदार बैठे हुए है।

उपरोक्तानुसार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'बढ़ सिपाही' कविता में कवि श्री विष्णुकांत शास्त्री के अनुसार विश्व तभी झुकता है, जब वीर अपनी शक्ति और सामर्थ्य के बल पर झुका देता है। विश्व को झुकाने की सामर्थ्य उन युवकों में है जो प्रतिकूल परिस्थिति को अपने अनुकूल बना लेते है और अभयगीत गाते हुए अपने सद्मार्ग पर बढ़ते रहते है। जो शक्तिशाली है और सामर्थ्यवान है विश्व उसी के सम्मुख झुकता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. छायावादी काव्य की विशेषताएं –

1. व्यक्तिवाद की प्रधानता – छायावादी काव्य में व्यक्तिगत भावनाओं की प्रधानता है।
2. प्रकृति का मानवीकरण – प्रकृति पर मानव व्यक्तित्व का आरोप छायावाद की एक प्रमुख विशेषता है।

3. अज्ञात सत्ता के प्रति प्रेम – अज्ञात सत्ता के प्रति कवि में हृदयगत प्रेम की अभिव्यक्ति पाई जाती है।
4. नारी के प्रति नवीन भावना – छायावाद की नारी पार्थिव जगत की स्थूल नारी न होकर भाव जगत की सुकुमार देवी है।

उपरोक्तानुसार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रहस्यवाद एवं छायावाद में अंतर –

क्र.	**रहस्यवाद**	**छायावाद**
1	रहस्यवाद में चिंतन की प्रधानता है।	छायावाद में कल्पना की प्रधानता है।
2	रहस्यवाद में ज्ञान एवं बुद्धितत्व की प्रधानता है।	छायावाद में भावना की प्रधानता है।
3	रहस्यवाद की प्रकृति दार्शनिक है।	छायावाद के मूल में प्रकृति है।
4	रहस्यवाद में आध्यात्मिक तत्वों की प्रधानता है।	छायावाद में व्यक्तिवाद की प्रधानता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. शुक्ल युग के निबंध की विशेषताएं –

1. गंभीर, विचारात्मक एव उदात्तभाव प्रधान निबंध लिखे गये।
2. विषय प्रधान प्रौढ़ एवं गंभीर शैली में निबंध लिखे गये।

निबंध	**लेखक**
उत्साह	आर्चा रामचन्द्र शुक्ल

मेरी असफलताएं बाबू गुलाबराय

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कहानी एवं उपन्यास में अंतर –

क्र.	**कहानी**	**उपन्यास**
1	कहानी में नायक के जीवन की किसी एक घटना का वर्णन होता है।	उपन्यास में नायक का संपूर्ण जीवन चित्रित होता है
2	कहानी का आकार छोटा होता है।	उपन्यास का आकार बड़ा होता है।
3	कहानी में एक ही मुख्य कथा होती है।	उपन्यास में प्रासंगिक कथाएं भी होती है।
4	कहानी फूलों का गुलदस्ता है।	उपन्यास फूलों के बगीचे की तरह है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. विश्व में भारतवर्ष ही एक मात्र ऐसा देश है जहां पशु–पक्षी से लेकर पत्थर तक पूजे जाते है। गाय हमारी संस्कृति की आराध्य तथा परिचायक रही है। अपनी पालतू गाय के अचानक विछोह की असहनीय पीड़ा को सहन करने के प्रयास में जब लम्बी सांस लेती है तो सहसा उसके मुख से निकल पड़ता है – ''आह मेरा गोपालक देश'' अर्थात लेखिका को गाय पालने वालों के निर्मम स्वभाव पर अत्यधिक वेदना होती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'उनको पुकारता हूँ, कविता के माध्यम से कवि आनंद मिश्र देश के लिए अपना सर्वस्त्र न्यौछावर करने वाले स्वाभिमानी युवाओं से आह्वान कर रहे है। जिनके रक्त में अभी गर्मी बाकी है जो सदैव मृत्यु को वरण करने को तत्पर रहते है, संघर्ष और आग से जिन्हें प्रेम है, जो एक नई सुबह करने को तत्पर है, जिनका मान सोया न हो उन लोगों को कवि पुकार रहा है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. (अ) व्यतिरेक अलंकार – जहां उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ बताया जाये, वहां व्यतिरेक अलंकार होता है।

(ब) महाकाव्य एवं खण्डकाव्य में अंतर –

क्र.	**महाकाव्य**	**खण्डकाव्य**
1	महाकाव्य में जीवन का समग्र चित्रण होता है।	खण्डकाव्य में जीवन का खण्ड चित्र प्रस्तुत होता है।
2	महाकाव्य का कलेवर विस्तृत होता है।	खण्डकाव्य का कलेवर सीमित होता है।
3	महाकाव्य में कम से कम आठ सर्ग होना अनिवार्य है।	खण्डकाव्य में सर्गों की संख्या निश्चित नहीं होती।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

(अ) कवित्र छंद – यह एक वर्णिक छंद है इसके प्रत्येक चरण में 16 और 15 के विराम से 31 वर्ण होते है। प्रत्येक चरण का अंतिम वर्ण गुरू होता है।

(ब) शान्त रस का उदाहरण –

हे प्रभो! आनंद दाता, ज्ञान हमको दीजिए।

शीघ्र सारे दुर्गुणों से, दूर हमको कीजिए।।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) राष्ट्र भाषा की विशेषताएं –

1. संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त होती है।
2. यह देश के बहु संख्यक लोगों की भाषा होती है।

(ब) मुहावरें –

1. पेट में चूहे कूदना – जोर से भूख लगना।
   प्रयोग– राजेश विद्यालय से आते ही बोला मां! पेट में चूहे कूद रहे है।
2. चिकनी चुपड़ी बातें करना – बनावटी प्रेम दिखाना।
   प्रयोग– आजकल लोग चिकनी चुपड़ी बातों करके अपने काम निकाल लेते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

अथवा

(अ) वाक्य परिवर्तन –

1. जो व्यक्ति सच बोलता है उसे कोई नहीं डरा सकता।
2. मैंने एक बहुत बीमार आदमी को देखा।

(ब) भाव विस्तार –

जीवन में सफलता और विफलता मन के कारण मिलती है। मन की दृढ़ संकल्प शक्ति निरंतर कार्य में जुटाए रखती है। इससे सफलता मिल जाती है। मन की दुर्बलता उसमें निराश का संचार कर देती है, तो असफलता ही हाथ लगती है। जीवन के कर्म, क्षेत्र में विजयी होने के लिए मन को सबल और संकल्पशील बनाने की आवश्यकता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 14. **लेखक परिचय –** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

1. **रचनाएं :–** हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी काव्य में रहस्यवाद, रस भीमास, चिन्तामणि।
2. **भाषा :–** साहित्यिक दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की भाषा अत्यंत परिष्कृत एवं संस्कृतनिष्ठ है। उर्दू, फारसी के शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। मुहावरों, लोकोक्तियों के प्रयोग आपकी अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावी बना देते है।
3. **शैली :–** शुक्ल जी अपनी शैली के स्वयं निर्माता है। उनकी शैली समास से प्रारंभ होकर व्यास शैली के रूप में समाप्त होती है। मुख्य रूप से आपने समीक्षात्मक, गवेषणात्मक, भावात्मक व व्यंग्य प्रधान शैली का प्रयोग किया है।
4. **साहित्य में स्थान :–** आचार्य शुक्ल युग प्रवर्तक निबंधकार के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखकर अमरत्व प्राप्त किया है। मनोवैज्ञानिक विषयों पर लिखे गए उनके निबंध साहित्य की अमूल्य धरोहर है।

(2+1+1+1=5 अंक)

अथवा

लेखक परिचय – डॉ. रघुवीर सिंह

1. **रचनाएं :–** ताज, फतेहपुर सीकरी, शेष स्मृतियां, बिखरे फूल तथा जीवन कण आदि।
2. **भाषा :–** सरल, स्पष्ट तथा बोधगम्य। कभी–कभी संस्कृत शब्द तथा उर्दू शब्दों का भी प्रयोग किया गया है।
3. **शैली :–** भावात्मक, चित्रात्मक, आलंकारिक, विचारात्मक, वर्णनात्मक आदि।
4. **साहित्य में स्थान :–** मुख्यतः ऐतिहासिक विषयों के निबंधकार के रू॰ में जाने जाते है। इनके निबंधों में दार्शनिक चिंतन, सांस्कृतिक साहित्य,

शोधपरक अनुसंधान पाये जाते है। इन्हें प्रतिभाशाली साहित्यकारों के रूप में जाना जाता है।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 15. साहित्य परिचय– **तुलीसदास**

1. **रचनाएं :–** रामचरित मानस, दोहावली, कवितावली, गीतावली, पार्वती मंगल आदि।
2. **भावपक्ष :–** भक्ति को ईश्वर प्राप्ति का साधन मानने वाले कविवर तुलसीदास तत्कालीन समाज में भक्ति कालीन कवि के साथ–साथ समाज सुधारक भी माने गये है। इसके लिए उन्होंने काव्य शास्त्र को माध्यम बनाकर हिन्दी साहित्य को श्रेष्ठ रचनाएं प्रदान की।
3. **कलापक्ष :–** भाषा संस्कृत निष्ठ है। अवधि एवं ब्रजभाषा के साथ–साथ कहीं–कहीं अरबी, फारसी, बंगाली, पंजाबी भाषा की लोकोक्तियों का भी प्रयोग मिलता है। मुख्य रूप से अवधि भाषा का प्रयोग हुआ है।
4. **साहित्य में स्थान :–** हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ कवि के रूप में आप सुविख्यात है। आपकी हिन्दी साहित्य को अनूठी देन युग–युग तक अमर रहेगी।

(2+1+1+1=5 अंक)

अथवा

कवि परिचय – गजानन माधव ''मुक्ति बोध''

1. **रचनाएं :–** चांद का मुंह टेड़ा है, काठ का सपना, सतह से उठता हुआ आदमी, नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, भारतीय इतिहास, कामायनी एक पुर्नविचार।
2. **भाव पक्ष :–** मुक्तिाबोध जी जीवन तथा समाज के यथार्थ से संबंध रखते है। कविता में समाज की विपन्नता, विवशता तथा विसंगतियों को चित्रित किया है। काव्य में मानवतावाद का स्वर स्पष्ट से मुखारित हुआ है। कविता में

आधुनिक भाव बोध की सशक्त अभिव्यंजना है। उनकी काव्य चेतना में चिंतन की प्रचुरता है।

3. **कला पक्ष :–** भाषा परिमार्णित, प्रौढ़ तथा पुष्ट है। भाषा सरल तथा प्रवाहमय है। भाषा में प्रांजलता, शब्द चयन की सहजता, सार्थकता के साथ–साथ बोध के अनुरूप कथ्य को प्रकट करने की पूर्ण सामर्थ्य है। भाषा में कहीं पर बनावट तथा अस्वाभिकता नहीं है। इनकी काव्य शैली बिम्ब तथा प्रतीक प्रधान है। वे सहज जीवन को व्यक्त करने कारण सरलता से ग्राह्य है।
4. **साहित्य में स्थान :–** गजानन माधव मुक्ति बोध नई कविता के प्रतिनिधि कवि है। जीवन मूल्यों के प्रयोग करने वाले कवि भी है। इनका विशिष्ट स्थान है।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 16. गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– पाठ– तिमिर गेह में किरण आचरण। लेखक– श्याम सुंदर दुबे।

प्रसंगः– लेखक ने इन पंक्तियों के माध्यम से उच्च मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया है।

व्याख्याः– लेखक के पिताजी ने घर के इसी कोने में एक बार कहा था कि जीवन एक संग्राम है। इसे सहज एवं सरल समझने की भूल मत करना। जीवन में उन्नति के दो ही मंत्र है– खूब परिश्रम करो और ईमानदार बने रहो। जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ता है, उस समय कोई रास्ता दिखाई नहीं देता, आंखों के आगे अंधेरा छा जाता है ऐसी विपरीत परिस्थितियों में डिगना नहीं चाहिए। स्वयं के प्रति आस्थावान एवं निष्ठावान रहकर जब हम उच्च मानवीय मूल्यों को आत्मसात करेंगे तो वह समाज के लिए बेहतर संदेश होगा। हमें अपना कल्याण ही नहीं करना है समाज के लिए भी उदाहरण छोड़ना है। स्वयं प्रकाशित होकर समाज भी प्रकाशित करना है।

विशेषः– भाषा संस्कृतिनिष्ठ, तत्सम है। व्यास व उद्धरण शैली का प्रयोग। समष्टि वादी विचारों का प्रकटीकरण।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– पाठ– मैं क्यों लिखता हूँ। लेखक– श्री रामनारायण उपाध्याय

प्रसंगः– उक्त पंक्तियों में लेखक ने पुस्तक को अपना सच्चा मित्र एवं सहायक बताया है।

व्याख्याः– उपाध्याय जी कहते है कि पुस्तकों एवं लेखक के बीच गहरी दोस्ती होती है। जीवन की अनेकानेक समस्याओं एवं दुख की घड़ियों में पुस्तकों ने सच्चे मित्र की तरह साथ दिया है। गहरी उदासी एवं बेचैनी के क्षणों में पुस्तकें ही मेरी सहायक होती है। संकट की घड़ियों में जब मैं सो नहीं पाता हूँ चिन्ताएं चारों ओर से घेर लेती है तब मैं अपनी पुस्तकों के साथ रहता हूँ और ऐसा लगता है ये पुस्तकें किसी बड़ें बुजुर्ग की तरह मुझे धैर्य बंधा रही है, मेरी पीठ सहला रही है मुझे ढांढस बंधा रही है।

विशेषः– भाषा सहज एवं सरल। पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह है। छोटे–छोटे वाक्यों में गंभीर मार्मिकता। आत्मकथात्मक शैली।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 17. पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत अंश 'साखी' शीर्षक से अवतरित है, इसके रचयिता कबरीदास जी हैं।

प्रसंगः– इसमें कवि ने वाणी के महत्तव को प्रतिपादित किया है।

व्याख्याः– कबीरदास जी कहते है कि मनुष्य को बोलने के पूर्व सोच विचार करना चाहिए क्योंकि शब्दों के हाथ पैर नहीं होते। मीठे वचन औषधि का काम करते है जबकि कटु वचन सुनने वाले के शरीर में घाव कर सकते है अर्थात मधुर वचन सुखी तथा कटु वचन दुःखी करते है। कबरीदास जी का कहना है जिन लोगों ने अपनी जीभ को वश में कर लिया मानों उन्होंने संसार जीत लिया जिन्होंने जीभ को वश में करना नहीं सीखा उनको अनेक दुःख उठाने पड़ते है, ऐसा सज्जनों का कहना है।

विशेषः– भाषा सधुक्कड़ी है। अनुप्रास अलंकार, दोहा–छंद तथा शांत रस का प्रयोग।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– कविता– राष्ट्र के श्रृंगार। कवि– श्री कृष्ण सरल।

प्रसंगः– इन पंक्तियों के माध्यम से कवि हमारे युवाओं को बता रहे है कि हमे आजादी कैसे मिली है।

व्याख्याः– कवि श्री कृष्ण सरल देश के वीर नागरिकों को संबोधित करते हुए कह रहे है कि तुम यह मत समझना कि हमें स्वाधीनता आसानी से मिल गई है। इस स्वतंत्रता रूपी बगिया की हर कली, मस्त सुगंध और फूलों का रूप रंग शहीदों के रक्त से सींचा गया है। तभी हमें आजादी की हवा में सांस लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन शहीदों के खून से सींचा गया यह उपवन अब हमें संभालकर रखना है इसकी रक्षा करना है।

विशेषः– खड़ी बोली। अलंकार–रूपक। रस–वीर। गुण–ओज।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 18. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक – वनों का महत्व।

उत्तर 2. सारांश – मानव को उन्नति करना है तो वनों को संरक्षित करना होगा। वृक्षों की कटाई से भूमि की उपजाऊ शक्ति नष्ट हो रही है। प्रदूषण एवं अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

(1+3+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 19.

प्रति,

सचिव महोदय,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र.
भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में।

महोदय

विनम्र निवेदन है कि मेरी 10वीं परीक्षा 2012 की अंकसूची गुम हो गई है। अतः मुझे द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें। इसके लिए मैं 40/– का बैंक ड्राफ्ट क्र.....आपके नाम से भेज रहा हूँ।

मुझसे संबंधित जानकारी निम्नानुसार है –

1. नाम – सुरेन्द्र शर्मा
2. पिता का नाम – समर्थशकी
3. परीक्षा – हाई स्कूल
4. परीक्षा केन्द्र – शा.उ.मा.वि. भोपाल
5. अनुक्रमांक – 122215609
6. नियमित/स्वा. – नियमित

7. पूरा पता — श्री सुरेन्द्र शर्मा, 52, घोड़ा नक्कास भोपाल

8. केन्द्र क्रमांक — 221012

9. संलग्नक — 40/— रूपये का ड्राफ्ट

धन्यवाद।

आवेदक

दिनांक

राजेश कुमार त्यागी

पिता श्री मनमोहन त्यागी

कक्षा— X वर्ग 'ब'

(1+3+1 कुल 5 अंक)

अथवा

<u>बधाई पत्र</u>

19, मोहनपुरा, इन्दौर

दिनांक 30.06.2012

प्रिय, सहेली मीनाक्षी,

मधुर यादें

मैं यहां सकुशल हूँ, आशा करती हूँ कि तुम भी कुशलतापूर्वक होगी। हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई कि तुमने जिले की प्रावीण्यता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तुम्हें बहुत—बहुत बधाई। तुम आगे भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त करती रहो, ऐसी मेरी शुभकामना है।

अपने मम्मी—पापा को मेरा प्रणाम कहना। छोटे भाई को स्नेह।

तुम्हारी सहेली

करूणा

(1+3+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 20. **निबंध लेखन–**

आधुनिक भारत में भारतीय नारी

''मैं कवि की कविता कामिनी हूँ, मै चित्रकार का रूचिर चित्र।
मै जगत नाट्य की रसाधार, अभिलाषा मानव की विचित्र।।

1. प्रस्तावना
2. प्राचीन भारतीय नारी
3. मध्यकाल में नारी की स्थिति
4. आधुनिक नारी
5. उपसंहार

प्रस्तावना – ब्रम्हा के पश्चात इस भूतल पर मानव को अवतरित करने वाली नारी का स्थान सर्वोपरि है। मां, बहन, पुत्री एवं पत्नी रूपो में वह देवी है। वही मानव समाज से संबंध स्थापित करने वाली है। किन्तु दुर्भाग्य यह रहा है कि इस जगत को समुचित स्थान न देकर पुरूष ने प्रारंभ से अपने वशीभूत रखने का प्रयत्न किया है।

प्राचीन भारत में नारी – प्राचीन काल में नारी की स्थिति अच्छी थी, वैदिक काल में नारी का सम्मानजनक स्थान था। रोमसा, लोपायुद्रा आदि नारियों ने ऋग्वेद के सूत्रों को रचाा तो कैकयी, मन्दोदरी आदि की वीरता एवं विवेकशीलता व्याख्यात है। सीता, अनुसुइया, सुलोचना आदि के आदर्शें को आज भी स्वीकार किया जाता है। महाभारत काल की गांधारी, कुन्ती, द्रोपदी के महत्व को भुलाया नहीं जा सकता है उस काल में नारी बन्दनीय रही।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तग देवता।''

मध्यकाल में नारी की स्थिति – मध्यकाल नारी के लिए अभिशाप बनकर आया। मुगलों के आक्रमण के फलस्वरूप नारी की करूण कहानी का आरंभ हुआ। मुगल शासकों की कामुकता ने उसे भोग की वस्तु बना दिया। वह घर की

सीमाओं में ही बंदी बनकर रह गई थी वह पुरूष पर आश्रित होकर अबला बन गई थी।

''अबला जीवन हाय, तुम्हारी यही कहानी।
आंचल में है दूध, और आंखों में पानी।।

भक्तिकाल में भी नारी को समुचित स्थान नहीं मिल सका। सीता, राधा आदि के आदर्श रूपों के अतिरिक्त नारियों को कबीर, तुलसी आदि कवियों ने नागिन, भस्म करने वाली तथा पतन की ओर ले जाने वाली माना।

रीतिकाल में तो वह पुरूषों के हाथों का खिलौना बनकर रह गई।

आधुनिक नारी – आधुनिक काल में नारी चेतना तथा नारी उद्धार का काल रहा है। राजा राम मोहन राय महर्षि दयानन्द महात्मा गांधी आदि ने नारी को गरिमामय बनाया है। पंत के शब्दों में जनमन ने कहा– ''मुक्त करो नारी को मानव चिरबंदनीय नारी को युग युग की निर्मम कारा से जननी सखि, प्यारी''। वस्तुतः स्त्री तथा पुरूष जीवन रथ के दो पहिये है। नारी तथा पुरूष का एकत्व सार्थक मानव जीवन का आदर्श है। अतः उसे बन्दनीय मामना भूल है।

उपसंहार – आज नारी पराधीनता से मुक्त होकर पुनः अपनी प्रतिष्ठा एवं गरिमा को प्राप्त कर रही है। पाश्चात्य के प्रभाव के कारण नारी समाज के एक वर्ग में विलासित की भावना अवश्य बढ़ रही है, किन्तु वह दिन दूर नहीं जब वह सद्मार्ग पर आ जाएगी। वह अपने रूप का वरण करेगी। वस्तुतः नारी मानवता की प्रतिमूर्ति है।

''मानवता की मूर्तिवतीतू, भव्य भाव–भूषण भण्डार।
गया क्षमा ममता की आकर, विश्व प्रेम की है आधार।।''

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक। उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – – –